सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा - 2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि - 9/9/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 20

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न–पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

400253

Sub : Samanya Darshan-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न–पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न–पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- **प्रश्न–पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।**
- **प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।**

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न–पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का **1/3** भाग काटा जायेगा । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9. * **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9. * **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. समुचितं मेलयत –

समूह-I (टीका)		समूह-II (टीकाकारः)	
क.	सुबोधिनी	i.	नृसिंह सरस्वती
ख.	विद्वन्मनोरञ्जनी	ii.	आपदेव द्वितीय
ग.	बालबोधिनी	iii.	रामतीर्थः
घ.	भावार्थ दीपिका	iv.	वेदान्तवागीशः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	iii	iv	i	ii
(2)	iv	i	ii	iii
(3)	i	iii	ii	iv
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. अधोलिखितेषु अनुबन्ध चतुष्ट्ये परिगण्यते –

(अ) विषयः (ब) सम्बन्धः
(स) जगत् (द) प्रमाणानि
(1) 'अ' एवं 'ब' (2) 'ब' एवं 'स'
(3) 'स' एवं 'द' (4) 'अ' एवं 'द'
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. समुचितं मेलयत –

समूह-I		समूह-II	
क.	प्रज्ञानं ब्रह्म	i.	ऋग्वेदतः
ख.	अहं ब्रह्मास्मि	ii.	यजुर्वेदतः
ग.	तत्त्वमसि	iii.	सामवेदतः
घ.	अयमात्मा ब्रह्म	iv.	अथर्ववेदतः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	iii	ii	iv	i
(4)	ii	iv	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. वेदान्तसारस्य मङ्गलाचरणपद्ये इमे पदे न स्तः –

(अ) अखण्डम् (ब) सच्चिदानन्दम्
(स) प्रयोजनम् (द) अधिकारी
(1) 'अ' एवं 'ब' (2) 'अ' एवं 'द'
(3) 'स' एवं 'द' (4) 'ब' एवं 'स'
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. "पुत्रजन्माद्यनुबन्धीनि" किं कर्म कथ्यते ?

(1) नित्यकर्म (2) काम्यकर्म
(3) नैमित्तिक कर्म (4) उपासना कर्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. अज्ञानस्य शक्तौ परिगण्यते –

(1) अभिधा (2) विक्षेपः
(3) तात्पर्यम् (4) संकेतः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. अद्वैतमते सविकल्पकः भवति –

(1) समाधिः (2) धारणा
(3) ध्यानम् (4) नियमः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. निर्विकल्पक–समाधौ कति विघ्नाः उक्ताः वेदान्तसारे –

(1) चत्वारः (2) पञ्च
(3) नव (4) त्रयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. नवद्रव्यवृत्तिः गुणः कः ?

(1) स्पर्शः (2) गन्धः
(3) परिमाणम् (4) रसः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. पञ्चीकरणे यदि स्वांशो 1/2 भागं स्यात् तर्हि अवशिष्टेषु सकलं प्रति प्रत्येकं अंशो कियत् भवेत् ?

(1) 1/4 भागम् (2) 1/8 भागम्
(3) 1/2 भागम् (4) 1/3 भागम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. ज्ञानस्याधिकरणमस्ति ?

(1) मनः (2) बुद्धिः

(3) इन्द्रियाणि (4) आत्मा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. तन्तुसंयोगः पटस्य –

(1) समवायिकारणं भवति ।

(2) उपादानकारणं भवति ।

(3) निमित्तकारणं भवति ।

(4) असमवायिकारणं भवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. न्याये आकुञ्चनमिति किम् ?

(1) कर्म (2) प्रमाणम्

(3) प्रागभावः (4) इच्छा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. समुचितं मेलयत –

A.	पर्वतो वह्निमान्, प्रमेयत्वात् ।	1.	अनुपसंहारी
B.	शब्दो नित्यः कृतकत्वात्, घटवत् ।	2.	साधारणोऽनैकान्तिकः
C.	शब्दो गुणः चाक्षुषत्वात्, रूपवत् ।	3.	विरुद्धः
D.	सर्वम् अनित्यं प्रमेयत्वात् ।	4.	स्वरूपासिद्धः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	2	3	4	1
(2)	2	3	1	4
(3)	2	4	3	1
(4)	4	3	2	1

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. तर्कसंङ्ग्रहाभिमतेषु पदार्थेषु न गण्यते –

(1) शक्तिः (2) द्रव्यम्

(3) समवायः (4) अभावः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. तर्कसंग्रहानुसारं समुचितं मेलयत –

	समूह-I		समूह-II
क.	पदार्थाः	i.	चतुर्विंशतिः
ख.	गुणाः	ii.	सप्त
ग.	द्रव्याणि	iii.	पञ्च
घ.	कर्माणि	iv.	नव

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	ii	iv	i	iii
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. निर्विकल्पकज्ञानं करणं कदा ?

(1) यदा सविकल्पकं ज्ञानं फलं, निर्विकल्पकज्ञानमवान्तरव्यापारश्च

(2) यदा सविकल्पकं ज्ञानमवान्तर-व्यापारः, हानादि-बुद्धयः फलम् च ।

(3) यदा इन्द्रियार्थ सन्निकर्षोऽवान्तर-व्यापारः, निर्विकल्पकं ज्ञानं फलं च ।

(4) यदा निर्विकल्पकरूपा प्रमा फलम्, इन्द्रियं करणं च भवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. तर्काभिमते आकाशो वर्तते –

(1) गुणः (2) अभावः

(3) विशेषः (4) द्रव्यम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. न्यायनये ज्ञातविषयं ज्ञानं भवति ?

(1) प्रमाणम् (2) स्मृतिः

(3) अज्ञानम् (4) संशयः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. न्यायमते तज्जन्यस्तज्जन्यजनको भवति–?

(1) करणम् (2) शब्दः

(3) व्यापारः (4) कारणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. तर्कभाषाभिमतमनुमानं कतिविधम् ?

(1) द्विविधम् (2) त्रिविधम्

(3) चतुर्विधम् (4) पञ्चविधम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. केशव–मिश्र–मतेन समुचितं मेलयत –

	समूह-I		समूह-II
क.	प्रमाणानि	i.	द्वादश
ख.	पदार्थाः	ii.	चत्वारि
ग.	हेत्वाभासाः	iii.	षोडश
घ.	प्रमेयाणि	iv.	पञ्च

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iv	i	iii
(2)	iv	iii	ii	i
(3)	ii	iii	i	iv
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. इह भूतले घटो नास्ति इत्यत्र अभावः केन सम्बन्धेन गृह्यते ?

(1) समवायेन

(2) समवेत–समवायेन

(3) विशेष्य–विशेषणभावेन

(4) संयुक्त–समवायेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. प्रयोगसमवेतार्थस्मारकाः भवन्ति –

(1) मन्त्राः (2) पुरोहिताः

(3) यज्ञमण्डपानि (4) यजमानाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यं कथ्यते –

(1) आरम्भवादः (2) संघातवादः

(3) परिणामवादः (4) अर्थवादः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. 'विधिरत्यन्तमप्राप्तौ नियमः पाक्षिके सति । तत्र चान्यत्र च प्राप्तौ परिसङ्ख्येति गीयते ।।' इति केनोक्तम् ?

(1) जैमिनिना (2) कुमारिलेन

(3) प्रभाकरेण (4) लौगाक्षिभास्करेण

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधिर्भवति –

(1) उत्पत्तिविधिः (2) विनियोगविधिः

(3) अधिकारविधिः (4) प्रयोगविधिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. 'गामानय' इत्यत्र गोशब्दार्थः कः मीमांसामते ?

(1) गोव्यक्तिः (2) समवायसम्बन्धः

(3) तादात्म्यसम्बन्धः (4) गोत्वजातिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. 'वह्निना सिञ्चेदिति' वाक्यं निरर्थकमस्ति

(1) परस्पराकाङ्क्षाविरहात्

(2) परस्परान्वय–योग्यता–विरहात्

(3) सन्निधि–विरहात्

(4) व्याकरण–दोषात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. नियमविधेः निदर्शनवाक्यम् अस्ति

(1) अग्निहोत्रं जुहोति ।

(2) पञ्च पञ्च नखाः भक्ष्याः ।

(3) दर्शपौर्णमासाभ्यां स्वर्गकामो यजेत ।

(4) व्रीहीनवहन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. पञ्चविधवेदभागेषु गण्येते –

I. नामधेयम्

II. निषेधः

III. निपातः

IV. आख्यातम्

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) I, II (2) II, III

(3) III, IV (4) II, IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. प्रमाणान्तरेणाप्राप्तस्य प्रापको विधिः कः ?

(1) नियमविधिः (2) अपूर्वविधिः

(3) प्रयोगविधिः (4) उत्पत्तिविधिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. 'कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिः' इत्यत्र कर्मजन्य-फल-स्वाम्यं नाम किम् ?

(1) कर्मजन्यफल – दातृत्वम्

(2) कर्मजन्यफल – अभोक्तृत्वम्

(3) कर्मजन्यफल – भोक्तृत्वम्

(4) कर्मजन्यफल – अस्वामित्वम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. 'चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः' इत्यत्र 'चोदना' शब्दस्यार्थो वर्तते –

(1) सन्निकर्षः

(2) निर्विकल्पकं सविकल्पकं च

(3) प्रवर्तकं वचनम्

(4) अध्यवसायः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. लिङंशेनोच्यते –

(1) शाब्दी भावना (2) आर्थी भावना

(3) अपार्थकम् (4) पुनरुक्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. समुचितं मेलयत –

A.	श्येनेनाभिचरन् यजेत ।	I.	मत्त्वर्थलक्षणाभयात्
B.	अग्निहोत्रं जुहोति ।	II.	वाक्यभेद-भयात्
C.	उद्भिदा यजेत पशुकामः ।	III.	तद्व्यपदेशात्
D.	चित्रया यजेत पशुकामः ।	IV.	तत्प्रख्यशास्त्रात्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	III	IV	I	II
(2)	IV	II	I	III
(3)	II	IV	III	I
(4)	I	II	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. अधिकरणस्य अङ्गं नास्ति

(1) विषयः (2) संशयः

(3) वितण्डा (4) पूर्वपक्षः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. 'दध्ना जुहोति' इत्यस्य वाक्यस्य कोऽर्थः ?

(1) दधिकर्मकं हवनं भावयेत्

(2) दधिकर्तृकं होमं भावयेत्

(3) दध्ना होमं भावयेत्

(4) दध्यधिकरणं होमं भावयेत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. वेदान्तदर्शनस्य प्रथमोऽध्यायः केन नाम्ना उच्यते –
(1) प्रमाणाध्यायः
(2) ब्रह्मजिज्ञासाध्यायः
(3) समन्वयाध्यायः
(4) लक्षणाध्यायः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. आम्नायस्य क्रियार्थत्वम् इति केषां मतम्
(1) नैयायिकानाम् (2) साङ्ख्यानाम्
(3) बौद्धानाम् (4) मीमांसकानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. ब्रह्मज्ञानमपि वस्तुतन्त्रमेव, कस्मात् ?
(1) विरुद्धवस्तु–विषयत्वात्
(2) भूतवस्तु–विषयत्वात्
(3) असिद्धवस्तु–विषयत्वात्
(4) अनुमानैक–प्रमाणगम्यत्वात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. शाङ्करभाष्यानुसारेण वेदान्तशास्त्रारम्भप्रयोजनमस्ति
(1) लौकिक–दुःख–निवारणमेव
(2) शास्त्रार्थनैपुण्यम्
(3) प्रवचनकौशलम्
(4) अध्यासनिवृत्तिः आत्मैकत्वविद्याप्रतिपत्तिश्च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. ब्रह्म–सूत्रशांकरभाष्ये युष्मत्प्रत्ययगोचरः कः
(1) विषयः (2) विषयी
(3) संशयः (4) विपर्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. प्रयाजेषु समिदादिदेवतानां प्राप्तिर्भवति –
(1) निषेधेन (2) अर्थापत्त्या
(3) मन्त्रवर्णेन (4) विधिवाक्येन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. जन्माद्यस्य इत्यत्र कः समासः
(1) तद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः
(2) अतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः
(3) अव्ययीभावः
(4) तत्पुरुषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. 'तत्तु समन्वयात्' इत्यस्मिन् सूत्रे तु पदं किमर्थम् ?
(1) लक्षण–प्रतिपादनार्थम्
(2) शङ्का–समाधानार्थम्
(3) सिद्धान्त–पक्ष–स्थापनार्थम्
(4) पूर्वपक्षव्यावृत्त्यर्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. 'जन्माद्यस्य यतः' इत्यनेन सूत्रेण किमुच्यते –
(1) ब्रह्मणः स्वरूप–लक्षणम्
(2) ब्रह्मणः तटस्थ–लक्षणम्
(3) ब्रह्मणः प्रलयकालम्
(4) ब्रह्मणः जन्मकालम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. ब्रह्मसूत्रस्य 'चतुःसूत्री' इत्यत्र न परिगणितम् –
(1) अथातो ब्रह्म–जिज्ञासा
(2) ईक्षतेर्नाशब्दम्
(3) जन्माद्यस्य यतः
(4) तत्तु समन्वयात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. प्राभाकराः सन्ति –
(1) शून्यवादिनः
(2) अख्यातिवादिनः
(3) सदसत्ख्यातिवादिनः
(4) अनिर्वचनीयख्यातिवादिनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. वेदान्तसारकर्तुः सदानन्दस्य गुरोः नाम किम् ?

(1) अद्वैतानन्दः (2) प्रज्ञानानन्दः

(3) अद्वयानन्दः (4) आत्मानन्दः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. शास्त्रयोनित्वादित्यत्र 'योनि' शब्देन कस्य निर्देशः ?

(1) कारण–निर्देशः (2) कार्य–निर्देशः

(3) अविद्या–निर्देशः (4) जगतः निर्देशः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. ब्रह्म जगतःकीदृशं कारणम् ?

(1) केवलं निमित्त–कारणम् ।

(2) केवलम् उपादान–कारणम् ।

(3) अभिन्ननिमित्तोपादन–कारणम् ।

(4) समवायिकारणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. समुचितं योजयत –

	समूह-I		समूह-II
क.	आत्मख्यातिः	i.	मीमांसकाः
ख.	अख्यातिः	ii.	तार्किकाः
ग.	असत्ख्यातिः	iii.	माध्यमिकाः
घ.	अन्यथाख्यातिः	iv.	विज्ञानवादिनः (बौद्धाः)

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	ii	iii	ii
(2)	i	ii	iii	iv
(3)	iv	i	iii	ii
(4)	iv	iii	ii	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. सिद्धान्त–व्याप्ति–लक्षणे प्रतियोगिव्यधिकरण–पदं कुत्र विशेषणम् ?

(1) अभावे (2) हेत्वधिकरणे

(3) प्रतियोगिनि (4) हेतौ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. सिषाधयिषाविरह–विशिष्ट–सिद्ध्यभाव इति लक्षणं कस्य ?

(1) पक्षतायाः (2) व्याप्तेः

(3) सिषाधयिषायाः (4) सिद्धेः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. पक्षे साध्याभावादिः इति कस्य हेत्वाभासस्य लक्षणम् ?

(1) विरुद्धस्य (2) असिद्धस्य

(3) अनैकान्तिकस्य (4) बाधस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. साध्याभावव्याप्यवान् पक्षः कः ?

(1) सत्प्रतिपक्षः (2) बाधः

(3) विरुद्धः (4) अनैकान्तिकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. पक्षे पक्षतावच्छेदकस्याभाव कः ?

(1) आश्रयासिद्धिः (2) स्वरूपासिद्धिः

(3) साध्याप्रसिद्धिः (4) हेत्वप्रसिद्धिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. अनुमितौ व्यापारः कः ?

(1) परामर्शः (2) व्याप्तिज्ञानम्

(3) सादृश्यज्ञानम् (4) पदज्ञानम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. 'यतो वा इमानि भूतानि जायन्ते' इत्यादि श्रुतिः कस्याम् उपनिषदि प्राप्यते ?

(1) मुण्डकोपनिषदि (2) तैत्तिरीयोपनिषदि

(3) छान्दोग्योपनिषदि (4) माण्डूक्योपनिषदि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. पर्वतो वह्निमान् धूमादित्यत्र व्याप्यतावच्छेदकं किम् ?
(1) वह्नित्वम् (2) धूमत्वम्
(3) धूमः (4) पर्वतत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. 'यद्विषयकत्वेन ज्ञानस्याऽनुमितिविरोधित्वं तत्त्वम्' इति कस्य लक्षणम् ?
(1) उपाधेः (2) हेतोः
(3) पक्षवृत्तित्वस्य (4) हेत्वाभासस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. कालो घटवान् कालपरिमाणादित्यत्र साध्यतावच्छेदक – सम्बन्धः कः ?
(1) स्वरूप-सम्बन्धः (2) कालिक-सम्बन्धः
(3) समवाय-सम्बन्धः (4) संयोग-सम्बन्धः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. 'ह्रदो द्रव्यं धूमात्' इत्यत्र कः हेत्वाभासः ?
(1) साधारणानैकान्तिकः
(2) अनुपसंहारी
(3) स्वरूपसिद्धः
(4) विरुद्धः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. सिषाधयिषाविरह-विशिष्ट-सिद्ध्यभाव इति पक्षतालक्षणे सिषाधयिषाविरह-विशिष्टत्वं कुत्र विशेषणम् ?
(1) सिद्ध्यभावे (2) सिषाधयिषायाम्
(3) सिद्धौ (4) सिद्ध्यभावत्वे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. कस्य पक्षवृत्तित्वधीः परामर्श इत्युच्यते ?
(1) व्यापकस्य (2) अव्याप्यस्य
(3) अव्यापकस्य (4) व्याप्यस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. 'विरुद्धयोः परामर्शे हेत्वोः ______' इत्यत्र रिक्तस्थानं पूरयत ।
(1) साध्यविरुद्धता (2) विरुद्ध उदाहृतः
(3) सत्प्रतिपक्षता (4) साध्यव्याप्यत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. साध्याप्रसिद्धेः लक्षणम् अस्ति –
(1) साध्ये साध्यतावच्छेदकस्याभावः
(2) पक्षे पक्षतावच्छेदकस्याभावः
(3) पक्षे व्याप्यत्वाभिमतस्याभावः
(4) हेतौ हेतुतावच्छेदकाभावः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. योगदर्शने उपाय-प्रत्ययः भवप्रत्ययश्च इत्येतौ कस्य भेदौ ?
(1) सम्प्रज्ञात-समाधेः
(2) असम्प्रज्ञात-समाधेः
(3) स्वर्गप्राप्तेः
(4) क्रियायोगस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. योगदर्शनानुसारं निम्नलिखितेषु युगलेषु किं युगलं समुचितं नास्ति –
(1) अविद्या – तमस्
(2) रागः – महामोहः
(3) अभिनिवेशः – प्रत्यवायः
(4) अस्मिता – मोहः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. व्याप्तिविशिष्ट-पक्षधर्मताज्ञानजन्यं ज्ञानं किम् ?
(1) परामर्शः
(2) व्याप्तिज्ञानकरणम्
(3) पक्षवृत्तिता
(4) अनुमितिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. एतेषु कः योगान्तरायेषु न गण्यते –

(1) प्रयोगः (2) व्याधिः
(3) संशयः (4) प्रमादः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. योगे दुःखदौर्मनस्याङ्गमेजयत्वश्वासप्रश्वासाः भवन्ति –

(1) वितर्क–सहभुवः (2) विचार–सहभुवः
(3) विक्षेप–सहभुवः (4) संक्षेप–सहभुवः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. योगदर्शनानुसारं सूत्रानुगुणम् एतेषां यमानां क्रमं व्यवस्थापयत –

(क) सत्यम् (ख) ब्रह्मचर्यम्
(ग) अहिंसा (घ) अपरिग्रहः
(ङ) अस्तेयम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत –

(1) (ग), (क), (घ), (ङ), (ख)
(2) (ग), (ख), (क), (ङ), (घ)
(3) (ग), (क), (ङ), (ख), (घ)
(4) (क), (ग), (ङ), (ख), (घ)
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. योगदर्शने प्रख्यारूपं हि चित्तसत्त्वं यदा तमसाऽनुविद्धं भवति तदा तत् कीदृशं भवति ?

(1) ऐश्वर्यप्रियम्
(2) स्वरूपप्रतिष्ठम्
(3) धर्मज्ञानवैराग्यैश्वर्योपगम्
(4) अधर्माज्ञानावैराग्यानैश्वर्योपगम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. सम्प्रज्ञात समाधिषु चतुष्टयानुगतः समाधिः कः ?

(1) अस्मिता (2) आनन्दः
(3) सवितर्कः (4) विचारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. तपसः अशुद्धिक्षयात् कीदृशी–सिद्धीः प्राप्यते ?

(क) ईश्वर–सिद्धिः
(ख) इन्द्रियसिद्धिः
(ग) देवसिद्धिः
(घ) कायसिद्धिः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत –

(1) (क), (ख) केवलम्
(2) (ख), (ग) केवलम्
(3) (ग), (घ) केवलम्
(4) (ख), (घ) केवलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. 'क्षीणवृत्तेरभिजातस्येव मणेर्ग्रहीतृग्रहणग्राह्येषु तत्स्थतदञ्जनता इत्युच्यते ________' – रिक्तस्थानं पूरयत ।

(1) समापत्तिः (2) उपरतिः
(3) विरतिः (4) ऋतम्भरा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. योगदर्शने 'चित्तस्याकर्मण्यता किम् उच्यते' – ?

(1) स्त्यानम् (2) अप्रमादः
(3) नैराश्यम् (4) विरतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. योगदर्शने सम्प्रज्ञातसमाधिषु विचारविकलः समाधिः कः ?

(1) निरालम्बनः (2) अविचारः
(3) सानन्दः (4) तर्कः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. 'विराम–प्रत्ययाभ्यासपूर्वः संस्कारशेषोऽन्यः' इति कस्य स्वभावः ?

(1) सम्प्रज्ञातसमाधेः
(2) असम्प्रज्ञातसमाधेः
(3) वितर्कस्य
(4) आनन्दस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. क्रियायोगे गण्यते –
(1) ऐश्वर्यम् (2) वैराग्यम्
(3) प्रज्ञा (4) ईश्वर–प्रणिधानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. अभ्यास–वैराग्याभ्यां निरोधः कस्य ?
(1) चित्तवृत्तेः (2) वैराग्यस्य
(3) अभ्यासस्य (4) समुच्चयस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. केवलान्वयव्यतिरेकाभ्यां व्याप्तिनिश्चयो न भवतीति मतं कस्य ?
(1) चार्वाकस्य (2) बौद्धस्य
(3) नैयायिकस्य (4) मीमांसकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. बौद्धमते निर्विकल्पकं प्रत्यक्षं भवति –
(1) भम्रः
(2) कल्पनापोढमभ्रान्तम्
(3) उपप्लवः
(4) अनुमानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. बौद्धमतानुसारं चतुर्षु आर्यसत्येषु समुदायस्य कोऽर्थः ?
(1) दुःखम् (2) दुःखकारणम्
(3) दुःखानाम् उदयः (4) दुःखानां समुदायः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. योगदर्शनानुसारं नियमेषु सन्तोष इत्यस्य कोऽर्थः ?
(1) चित्तमलानामाक्षालनम्
(2) शौचम्
(3) सन्निहितसाधनादधिकस्यानुपादित्सा
(4) परमगुरौ सर्वकर्मार्पणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. जैन–मतानुसारेण भवहेतुः कः ?
(1) संवरः (2) निर्जरा
(3) समितिः (4) आस्रवः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. जैनदर्शने मतिश्रुतावधिमनः–पर्यायकेवलानि इति कस्य भेदाः सन्ति ?
(1) मोक्षमार्गस्य (2) सम्यक्व्रतस्य
(3) सम्यग्ज्ञानस्य (4) सम्यक्चरित्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. जैनदर्शनानुसारं स्पर्शरसगन्धवर्णवन्तः के भवन्ति ?
(1) त्रिरत्नानि (2) द्रव्याणि
(3) पुद्गलाः (4) विषयाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. जैनदर्शनानुसारं पृथिव्याः लक्षणमिदम् अस्ति –
(1) मार्गगतधूलिः पृथिवी
(2) गन्धयुता पृथिवी
(3) पृथिवीत्यन्तरिक्षनाम
(4) प्रथते विस्तारं यातीति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. चार्वाकमते अनुमानस्य प्रमाणान्तरत्वस्वीकारे को दोषः ?
(1) अव्याप्तिः (2) अतिव्याप्तिः
(3) असम्भवः (4) अनवस्था
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. तादात्म्यतदुत्पत्तिभ्यामविनाभावस्य ज्ञानं भवतीति कस्य सिद्धान्तः ?
(1) लोकायतस्य (2) सौगतस्य
(3) नैयायिकस्य (4) जैनस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. श्रीरामानुजमते अणुर्ज्ञानाश्रयः कः ?

(1) जीवः (2) जगत्

(3) मनः (4) कायः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. 'शब्दः अनित्यः उत्पन्नत्वात्' इत्यत्र साध्यं किम् ?

(1) अनित्यत्वम् (2) उत्पन्नत्वम्

(3) अनित्यः (4) शब्दः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. 'उपाधिज्ञाने जाते तदभाव-विशिष्टसम्बन्धरूप-व्याप्तिज्ञानं, व्याप्तिज्ञानाधीनं चोपाधिज्ञानम्' इत्यत्र चार्वाकमते को दोषः प्रदर्शितः ?

(1) अव्याप्तिः

(2) अतिव्याप्तिः

(3) चक्रकदोषः

(4) अन्योन्याश्रय-दोषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. जैन-मतानुसारेण मोक्ष-कारणम् अस्ति –

(1) आस्रवः (2) संवरः

(3) निर्जरा (4) कर्मफलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. एतेषु किं त्रिरत्नेषु न गण्यते ?

(1) सम्यग्दर्शनम् (2) सम्यग्ज्ञानम्

(3) सम्यक् चरित्रम् (4) सम्यक् मार्गः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. चार्वाकमते अव्याप्तसाधनो यः साध्य-समव्याप्तिर्भवति स कः ?

(1) उपाधिः (2) विरुद्धः

(3) सत्प्रतिपक्षः (4) बाधः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. विद्यादिज्ञापितैश्वर्यश्चिद्घनः कः उच्यते ?

(1) संसारी (2) मुक्तः

(3) बद्धः (4) बद्धजीवः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. वल्लभाचार्यस्य दार्शनिकसिद्धान्तस्य नाम अस्ति –

(1) द्वैतम् (2) विशिष्टाद्वैतम्

(3) द्वैताद्वैतम् (4) शुद्धाद्वैतम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. प्रत्यभिज्ञादर्शने बाह्याङ्कुरादिका प्रीत्यादिरूपा च क्रिया का ?

(1) अर्थक्रिया (2) निष्क्रिया

(3) बद्धक्रिया (4) मुक्तक्रिया

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. वासुदेवः परं ब्रह्म इति मतं कस्य ?

(1) शङ्कराचार्यस्य (2) बौद्धस्य

(3) जैनस्य (4) रामानुजस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. प्रत्यभिज्ञादर्शने परमतत्त्वं किम् ?

(1) महेश्वरः (2) जीवः

(3) मनः (4) अचित्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. मर्यादामुक्तिः पुष्टिमुक्तिश्च इति मुक्तिप्रकारद्वयं केन अभिमतम् ?

(1) रामानुजाचार्येण (2) निम्बार्काचार्येण

(3) शङ्कराचार्येण (4) वल्लभाचार्येण

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. प्रत्यभिज्ञादर्शने संसारोत्पत्तिः कथम् ?

(1) महेश्वरस्येच्छया (2) भास्करस्येच्छया

(3) गणेशस्येच्छया (4) चैतन्यस्येच्छया

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. रामानुजाचार्यस्य मते जीवात्मनः परिमाणं किम् ?

(1) विभुः (2) अणुः
(3) महत् (4) ह्रस्वः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. माध्वदर्शने कति पदार्थाः स्वीक्रियन्ते ?

(1) दश (2) षोडश
(3) अष्ट (4) सप्त
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. प्रत्यभिज्ञादर्शनानुसारम् अज्ञानं द्विविधं भवति –

(क) बौद्धाज्ञानम् (ख) पौरुषाज्ञानम्
(ग) प्रक्षेपणाज्ञानम् (घ) मायाज्ञानम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु उचिततमम् उत्तरं चिनुत –

(1) केवलम् (ग), (घ)
(2) केवलम् (ख), (ग)
(3) केवलम् (क), (घ)
(4) केवलम् (क), (ख)
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. प्रत्यभिज्ञादर्शनाभिमत–परमतत्त्वस्य शिवस्य शक्तिषु न परिगण्यते –

(1) आधेयशक्तिः (2) चिच्छक्तिः
(3) आनन्दशक्तिः (4) इच्छाशक्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. अभिनवगुप्तपादस्य कृतिः विद्यते ?

(1) तन्त्रसारः (2) तन्त्रवार्त्तिकम्
(3) तत्त्वमुक्ताकलापः (4) तत्त्वत्रयम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. 'वेदान्तपारिजातसौरभम्' इति ब्रह्मसूत्र भाष्यं केन रचितम् ?

(1) वल्लभाचार्येण (2) निम्बार्काचार्येण
(3) मध्वाचार्येण (4) रामानुजाचार्येण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. रामानुजाचार्यदर्शने अचिद् द्रव्यस्य प्रकारः नास्ति –

(1) शुद्धसत्त्वम् (2) मिश्रसत्त्वम्
(3) सत्त्वशून्यम् (4) मिश्रामिश्रसत्त्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. देकार्त–महोदयस्य प्रधानाः भावाः कति ?

(1) षट् (2) पञ्च
(3) चत्वारः (4) नव
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. द्रव्यतत्त्व प्रतिपादकं शास्त्रं तत्त्ववादः इति मतं कस्य ?

(1) हेगेलस्य (2) देकार्तस्य
(3) अरिस्टोटलस्य (4) बेकनस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. प्लेटो मते ऐन्द्रियिकज्ञाने जीवः भवति –

(1) शरीरपरतन्त्रः
(2) शरीरस्वतन्त्रः
(3) शरीरान्तःकरणम्
(4) शरीरस्वतन्त्र–परतन्त्रोभयम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. परमं श्रेयः ज्ञानमेव इति कः वदति ?

(1) सोक्रेटिसः (2) प्लेटो
(3) ग्यूलिङ्क्षः (4) रेने डे स्कार्टेसः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. प्लेटोमते जगद्व्यवहारस्य मानवानां बुद्धेश्च प्रवर्तकं किम् ?

(1) आलयविज्ञानम् (2) प्रवृत्तिविज्ञानम्
(3) शिवविज्ञानम् (4) क्षणिकविज्ञानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. प्रत्यभिज्ञादर्शनानुसारं स्वतो जगन्निर्मातृत्वं भवति–

(1) समाधिः (2) क्रिया
(3) इच्छा (4) भवप्रत्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. अरस्तोः मतानुसारं कारण–सिद्धान्ते इदं न परिगण्यते –
(1) उपादानकारणम् (Material Cause)
(2) निमित्तकारणम् (Efficient Cause)
(3) साधारणकारणम् (General Cause)
(4) आकारिककारणम् (Formal Cause)
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. देकार्तमहोदयाभिमतपदार्थेषु न परिगण्यते –
(1) द्रव्यम् (2) गुणः
(3) पर्यायः (4) सामान्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. कस्य वादस्य समर्थनं करोति रेने देकार्तः ?
(1) अद्वैतवादस्य
(2) द्वैताद्वैतवादस्य
(3) द्वैतवादस्य
(4) विशिष्टाद्वैतवादस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. अरस्तू महोदयस्य जन्म कुत्र अभवत् ?
(1) स्टेगिरा – नगरे
(2) एसोस – नगरे
(3) हरमियस – नगरे
(4) चालासिस – नगरे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. सुकरातानुसारं सर्वव्यापिशुभत्वज्ञानं मनुष्येषु कस्याम् अवस्थायां तिष्ठति ?
(1) सुषुप्त्यवस्थायाम्
(2) जाग्रदवस्थायाम्
(3) स्वप्नावस्थायाम्
(4) प्रलयावस्थायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. देकार्तानुसारं ईश्वरः जगतः कीदृशं कारणमस्ति ?
(1) उपादानकारणम्
(2) निमित्तकारणम्
(3) समवायिकारणम्
(4) असमवायिकारणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. हेगल महोदयस्य मतानुसारं सम्पूर्णविश्वं कस्य परिणामोऽस्ति
(1) पूर्णविज्ञानस्य
(2) स्वल्पविज्ञानस्य
(3) सापेक्षविज्ञानस्य
(4) निषेधविज्ञानस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. प्लेटो महोदयाभिमतस्य वास्तववादस्य नामान्तरं किम् ?
(1) प्रत्ययवादः
(2) इन्द्रियानुभववादः
(3) अप्रत्ययवादः
(4) सन्दिग्धप्रत्ययवादः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. सुकरात–महोदयनये वस्तुनिष्ठं ज्ञानं भवति –
(1) सम्प्रत्ययः (2) विसंवादिप्रत्ययः
(3) अज्ञानप्रत्ययः (4) सन्दिग्धप्रत्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. हेगलमहोदयस्य विशिष्टाद्वैतविज्ञानं कीदृशं भवति ?
(1) स्वचेतनम् (2) स्वाभाविकम्
(3) स्वाचेतनम् (4) परचेतनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. विपर्ययभेदेषु नास्ति ______ ।

(1) तमः (2) मोहः

(3) महामोहः (4) महातमः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. प्रेक्षकवदवस्थितः पुरुषः कथम्भूतां प्रकृतिं पश्यति ?

(1) सप्तरूपविनिवृत्ताम्

(2) पञ्चरूपविनिवृत्ताम्

(3) अष्टरूपविनिवृत्ताम्

(4) नवरूपविनिवृत्ताम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. साङ्ख्यशास्त्रानुसारं समीचीनं विकल्पं चिनुत

(1) पञ्च तन्मात्राणि अविशेषाः पञ्च महाभूतानि विशेषाः च सन्ति ।

(2) पञ्च महाभूतानि अविशेषाः पञ्च तन्मात्राणि विशेषाः च सन्तिं ।

(3) पञ्च ज्ञानेन्द्रियाणि विशेषाः पञ्च महाभूतानिं अविशेषाः च सन्ति ।

(4) पञ्च तन्मात्राणि विशेषाः पञ्च ज्ञानेन्द्रियाणि अविशेषाः च सन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. जनन-मरण-करणानां प्रतिनियमात् कस्य सिद्धिः भवति ?

(1) पुरुषबहुत्वस्य (2) प्रधानस्य

(3) ईश्वरस्य (4) पुरुषस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. दृष्टम् इति पदेन साङ्ख्यनये किं प्रमाणम् उच्यते ?

(1) प्रत्यक्षम् (2) अनुमानम्

(3) उपमानम् (4) आप्तवचनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. अधोलिखितेषु सत्कार्यवादसाधकः हेतुः नास्ति

(1) उपादान-ग्रहणात्

(2) कारण-भावात्

(3) शक्तस्य शक्य-करणात्

(4) संघातपरार्थत्वात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. 'देवदत्तस्य अनुजः यज्ञदत्तः वने व्याघ्रेण भक्षितः' अत्र देवदत्तस्य दुःखमस्ति –

(1) आध्यात्मिकम्

(2) आधिदैविकम्

(3) आधिभौतिकम्

(4) आपराधिकम् (देवस्य)

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. समुचितं मेलयत –

A. बुद्धिः 1. सङ्कल्पः

B. चक्षुरिन्द्रियम् 2. अध्यवसायः

C. वागिन्द्रियम् 3. रूपम्

D. मनः 4. वचनम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

	A	B	C	D
(1)	1	3	4	2
(2)	4	3	1	2
(3)	2	3	4	1
(4)	4	3	2	1

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. साङ्ख्यमते अहङ्कारस्य कारणम्

(1) अज्ञानम् (2) पुरुषः

(3) आकाशः (4) बुद्धिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. त्रैगुण्यविपर्ययात् कस्य साक्षित्वं सिद्ध्यति ?

(1) प्रधानस्य (2) पुरुषस्य

(3) अहङ्कारस्य (4) आकाशस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टमित्यत्र "अध्यवसायः" इति शब्दस्यार्थः

(1) कर्मेन्द्रियम्

(2) बुद्धिः

(3) अर्थविप्रकृष्टमिन्द्रियम्

(4) बुद्धिव्यापारो ज्ञानम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. सांख्यकारिकायां सिद्धिषु नास्ति ।

(1) अहः (2) शब्दः

(3) अध्ययनम् (4) दुःखाविघातः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. गुणवैषम्यविमर्दात् प्रत्ययसर्गस्य भेदाः सन्ति ।

(1) पञ्चाशत् (2) पञ्चपञ्चाशत्

(3) पञ्चविंशतिः (4) एकपञ्चाशत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. एतेषु अव्यक्तसाधको हेतुः नास्ति

(1) शक्तितः प्रवृत्तेः

(2) भोक्तृभावात्

(3) कारणकार्यविभागात्

(4) परिमाणात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. समुचितं मेलयत –

A. मूल प्रकृतिः 1. प्रकृति–विकृतिः

B. महत्तत्त्वम् 2. केवल–विकृतिः

C. आकाशः 3. न प्रकृतिः न विकृतिः

D. पुरुषः 4. अविकृतिः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

	A	B	C	D
(1)	4	2	3	1
(2)	4	1	2	3
(3)	4	3	2	1
(4)	2	1	4	3

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. शीतोष्णादिद्वन्द्वसहिष्णुता भवति ।

(1) श्रद्धा (2) असूया

(3) तितिक्षा (4) इच्छा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. वेदान्तसारे प्रतिपादितस्य मन–बुद्धि–अहंकार–चित्ताख्यास्य अन्तःकरण–चतुष्टयस्य समुचितो विषयक्रमोऽस्ति ______

(1) सङ्कल्पः → अहङ्कार्यः → चैत्तः निश्चयः

(2) चैत्तः → निश्चयः → अहङ्कार्यः → सङ्कल्पः

(3) सङ्कल्पः → निश्चयः → चैत्तः → अहङ्कार्य

(4) सङ्कल्पः → निश्चयः → अहङ्कार्यः → चैत्तः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. वेदान्तमते जहदजहल्लक्षणायाः नामान्तरं वर्तते

(1) लक्षणलक्षणा (2) उपादानलक्षणा

(3) अजहल्लक्षणा (4) भागलक्षणा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. अज्ञानसमष्ट्युपहितं चैतन्यम् उच्यते

(1) ईश्वरः (2) प्राज्ञः

(3) तैजसः (4) विश्वः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. 'तत्त्वमसि' इति महावाक्यं कस्याम् उपनिषदि पठितम्

(1) कठोपनिषदि

(2) केनोपनिषदि

(3) ईशावास्योपनिषदि

(4) छान्दोग्योपनिषदि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. अकरणे प्रत्यवायसाधनानि भवन्ति –

(1) प्रायश्चित्तकर्माणि (2) नित्यकर्माणि

(3) उपासनाकर्माणि (4) निषिद्धकर्माणि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK